आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 06.09.2024 समय : 0705

<><><><><><><><>

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा–शिक्षकों का कर्तव्य विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण करना है।
- वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा कल नई दिल्ली में उद्योग और वाणिज्य मंत्रियों का सम्मेलन आयोजित किया गया।
- अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में कुपोषण माह मनाए जाने के सिलसिले में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।
- अण्डमान निकोबार प्रदूषण नियंत्रण समिति ने मूर्ति बनाने और विसर्जन को लेकर जारी किए गए दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की हैं।
- नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों विभाग की ओर से दक्षिण और मध्योत्तर अंडमान के ग्राम पंचायतों में विशेष आधार शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

<><><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि शिक्षकों और अभिभावकों का दायित्व है कि वे बच्चों को इस प्रकार से शिक्षित करें कि बच्चे सदैव महिलाओं की गरिमा के अनुरूप व्यवहार करें। राष्ट्रपति ने कल शाम नई दिल्ली में बयासी शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सम्मान सिर्फ शब्दों में नहीं बल्कि व्यवहार में भी होना चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि किसी भी समाज में महिलाओं की स्थिति उसके विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मानदंड है। राष्ट्रपति ने शिक्षकों से कहा कि उनके विद्यार्थियों की पीढ़ी विकसित भारत का निर्माण करेगी। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों को विश्व स्तरीय कौशल प्राप्त करने का परामर्श दिया। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि महान शिक्षक एक महान राष्ट्र का निर्माण करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी शिक्षा प्रणाली की सफलता में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षण सिर्फ एक नौकरी नहीं है बल्कि यह मानव विकास का एक पवित्र मिशन है। प्रत्येक पुरस्कार में योग्यता प्रमाण पत्र, पचास हजार रुपये का नकद और एक रजत पदक शामिल है।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में कुपोषण माह मनाए जाने के सिलसिले में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और इन कार्यक्रमों के माध्यम से उचित पोषाहार के बारे में जागरूकता उत्पन्न की जा रही है। समाज कल्याण विभाग की स्वाथ्स्य व पोषाहार की परामर्शदाता सारिका वर्मा ने बताया कि इन कार्यक्रमों में विभिन्न विभागों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों का भी सहयोग लिया जा रहा है, ताकि द्वीपसमूह को कुपोषण मुक्त किया जा सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष दो हजार अट्ठारह में राजस्थान के झुनझुनु से पोषण अभियान की शुरूआत की थी और तब से लेकर हर वर्ष यह अभियान चलाया जा रहा है।

श्रीमती सारिका वर्मा से की गई बातचीत का विस्तृत ब्यौरा आप हमारे आमने–सामने कार्यक्रम में सुन सकते हैं। इसे कल शाम साढ़े छः बजे प्रसारित किया जाएगा।

<><><><><><><>

भारत को दो हजार सैंतालिस तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में भारत सरकार ने कई प्रमुख सुधारों की शुरुआत की और उन्हें लागू किया है, जिससे पूरे देश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में काफी सुधार हुआ है। मुख्य सचिव केशव चंद्रा की देखरेख में कारोबारी क्षेत्र को विकसित करने और विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र में अधिक निवेश करने के लिए ईज ऑफ डुइंग के तहत नियामक संरचनाओं को सुव्यवस्थित करने की दिशा में उद्योग निदेशालय और जिला उद्योग केंद्र द्वारा इस संबंध में कई पहलों की शुरूआत की गई। तेरह अक्टूबर दो हजार बाईस को राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली पोर्टल पर द्वीप समूह से संबंधित तीस ऑनलाइन सेवाओं की शुरूआत की गई थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा कल नई दिल्ली में उद्योग और वाणिज्य मंत्रियों का एक सम्मेलन 'उद्योग समागम' आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उद्योग सचिव डॉ सत्येंद्र सिंह दुरसावत और विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने द्वीप समूह को व्यापार सुधार कार्य योजना दो हजार बाईस रैंकिंग के आधार पर शीर्ष उपलब्धि हासिल करने के लिए सम्मानित किया।

<><><><><><><>

अण्डमान निकोबार प्रदूषण नियंत्रण समिति ने मूर्ति बनाने और विसर्जन को लेकर जारी किए गए दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की हैं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेश की अनुपालना में जारी किए गए, अण्डमान निकोबार मूर्ति विसर्जन नियम दो हजार अट्ठारह में इसका उल्लेख किया गया है। इसके अंतर्गत कुछ नियम बनाए गए है। जैसे मूर्ति को शास्त्रों में वर्णित प्राकृतिक पदार्थो से बनाया जाना चाहिए। मूर्ति निर्माण में पारम्परिक मिट्टी का उपयोग होना चाहिए।

मूर्ति बनाने मे प्लास्टर ऑफ पेरिस को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है, जब तक कि इसका पानी की गुणवत्ता और जलीय जैव–विविधता पर कोई नकारात्मक असर न पड़े। मूर्तियों को रंगने से परहेज किया जाना चाहिए। अगर रंगो का प्रयोग किया जाना है, तो यह पानी में घुलनशील होने के साथ ही विषाक्त नहीं होने चाहिए। विसर्जित की जाने वाली मूर्तियों की रंगाई में सिनथैटिक रंगों का इस्तेमाल निषेध है। मूर्तियों की लम्बाई बीस फीट से अधिक नहीं होनी चाहिए। मूर्ति के संपूर्ण ढांचे को चालीस फीट से कम का रखना चाहिए। पूजा के लिए इस्तेमाल होने वाले फूल, वस्त्र, साज–सजावट के अन्य सामानों को विसर्जन से पूर्व हटा देना चाहिए। जैविक और अन्य पदार्थों को अलग–अलग एकत्र कर इनका निस्तारण करना चाहिए। उत्सव के दौरान एकल इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना चाहिए। विसर्जन का कार्य उच्च ज्वार रेखा और निम्न ज्वार रेखा के बीच केवल चिन्हित स्थानों पर ही किया जाएगा। समिति ने एक जन–सूचना जारी कर सभी मूर्ति निर्माता और पूजा समितियों से इन दिशा–निर्देशों का पालन करने को कहा है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार एड्स नियंत्रण सोसाइटी ग्यारह सितम्बर को सुबह छः बजे नेताजी स्टेडियम से पांच किलोमीटर दौड़ का आयोजन करेगा। कॉलेज विद्यार्थियों और आम जनता के लिए आयोजित होने वाले इस दौड़ का उद्देश्य एच आई वी और एड्स के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। दौड़ सुबह साढ़े पांच बजे नेताजी स्टेडियम से आयोजित होगी।

<><><><><><><>

आम जनता की सुविधा के लिए नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों विभाग की ओर से दक्षिण और मध्योत्तर अंडमान के ग्राम पंचायतों में विशेष आधार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आज मीठाखाड़ी ग्राम पंचायत के अलावा मध्योत्तर अंडमान के पर्णशाला में शिविर लगेगा। दस और ग्यारह सितम्बर को टुसनाबाद, बारह और तेरह सिम्बर को वृंदावन तथा सबरी, सत्रह और अट्ठारह सितम्बर को कन्यापुरम, उन्नीस और बीस सितम्बर को मनारघाट तथा रामपुर में शिविर लगेगा। अन्य क्षेत्रों में भी इस माह अलग–अलग तारीखों में शिविर लगाया जाएगा।

<><><><><><><>

समुदाय में सुरक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत मध्योत्तर अंडमान जिला पुलिस के अधीन पुलिस स्टेशनों की ओर से सार्वजनिक बैठक और आदान–प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ग्रामवासियों और मछुआरों को शामिल किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में विदेशी घुसपैठियों और विदेशी तत्वों की ओर से चलाई जा रही अवैध गतिविधियों से समाज के इन वर्गों को सतर्क और जागरूक करना था। बैठकों के दौरान पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभागियों को ऐसी गतिविधियों को रोकने में सामुदायिक सतर्कता के महत्व पर जोर दिया। वे मछुआरों और ग्रामवासियों को उनके नियमित गतिविधियों के दौरान अपनाई जाने वाली ऐहतियाती उपायों के बारे में भी शिक्षित किया गया। उनसे कहा गया कि वे संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखे और इस बारे में स्थानीय पुलिस को जानकारी दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

<><><><><><><>

मत्स्य विभाग के मरीन हिल स्थित मत्स्य पालन प्रशिक्षण केन्द्र के परिसर में एक पुस्तकालय स्थापित किया गया है। इसमें मत्स्य पालन जीव विज्ञान, शिल्प और गियर प्रौद्योगिकी, पोस्ट हारवेस्ट से संबंधित पत्रिकाओं और अन्य पठन सामग्री का अच्छा संग्रह है। इन पुस्तकों को पढ़ने के इच्छुक विद्यार्थी, शोधकर्ता या आम जनता किसी भी कार्यदिवसों के दौरान सुबह साढ़े आठ बजे से पांच बजे के बीच पुस्तकालय में आ सकते हैं।

<><><><><><><>